INTERNATIONAL NEWS AND VIEW CORPORATION
INVC
अंतरराष्ट्रीय समाचार एवं विचार निगम

कालसर्प दोष और नागपंचमी

By : Editor Published On : 3 Aug, 2021 07:00 AM IST

कालसर्प दोष निवारण के लिए नागपंचमी के दिन को सर्वोत्तम माना गया है क्योंकि इस दिन नागों की पूजा का विधान है। इसलिए इस दिन कालसर्प दोष वालों को चांदी का नाग-नागिन का जोड़ा भगवान शिव को अर्पित करने को कहा जाता है इससे कालसर्प दोष से मुक्ति मिलती है। आओ जानते हैं कि कहां कहां होती है कालसर्प दोष निवारण की पूजा।
1. त्र्यंबकेश्वर : द्वादश ज्योतिर्लिंग में से केवल एक नासिक स्थित त्र्यंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग का नागपंचमी के दिन अभिषेक, पूजा की जाए तो इस दोष से हमेशा के लिए मुक्ति मिलती है। त्र्यंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग महाराष्ट्र के नासिक के पास गोदावरी के तट पर स्थित है। कालसर्प योग से मुक्ति के लिए बारह ज्योतिर्लिंग के अभिषेक एवं शांति का विधान बताया गया है।

2. बद्रीनाथ धाम : चार धामों में एक बद्रीनाथ धाम उत्तराखंड के चमोली जिले में स्थित है। कहते हैं कि यहां पर भी कालसर्प दोष के साथ-साथ पितृदोष की भी पूजा कराई जाती है। बद्रीनाथ धाम में ब्रह्मकपाली स्थान पर यह पूजा होती है।

3. त्रिजुगी नारायण मंदिर : केदारनाथ धाम से करीब 15 किलोमीटर दूर त्रिजुगी नारायण मंदिर है। कहते हैं कि यहां पर चांदी, तांबे या सोने के नाग-नागिन (दो बच्चों सहित) अर्पित करने और यहां आंगन में जल रही ज्वाला में चंदन, गुलरिया, पीपल की लकड़ी अर्पित करने और विधिवत पूजा करने से कालसर्प दोष से मुक्ति मिलती है।

5. प्रयागराज : उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में गंगा नदी के संगम तट पर काल सर्प दोष और पितृदोष की पूजा को उत्तम माना गया है। यहां पूजन के अलावा दर्शन मात्र से भी कालसर्प दोष का प्रभाव कम हो जाता है।

5. त्रीनागेश्वरम वासुकी नाग मंदिर : यह दक्षिण भारत में तंजौर जिले में स्थित त्रीनागेश्वरम वासुकी नाग मंदिर के पास भी काल सर्पदोष से मुक्ति हेतु पूजा की जाती है।

6. उज्जैन सिद्धवट : यह भी माना जाता है कि उज्जैन की क्षिप्रा नदी के तट पर सिद्धवट नामक स्थान पर पितृदोष के साथ ही काल सर्पदोष से मुक्ति की पूजा भी होती है PLC.

URL : https://www.internationalnewsandviews.com/kaal-sarp-dosh-and-nag-panchami/

INTERNATIONAL NEWS AND VIEW CORPORATION
INVC
अंतरराष्ट्रीय समाचार एवं विचार निगम

12th year of news and views excellency

Committed to truth and impartiality

Copyright © 2009 - 2019 International News and Views Corporation. All rights reserved.

www.internationalnewsandviews.com